वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

बी.ए. तृतीय वर्ष

विषय–हिन्दी

एचडी–06

हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 70**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

प्रश्न बैंक

खण्ड–अ

शब्द सीमा अधिकतम 30 शब्द है।

1. यादृच्छिकता से क्या तात्पर्य है ?
2. भाषा के संदर्भ में बहुघटकता किसे कहेंगे ?
3. शौर सेनी अपभ्रंश से निकलने वाली किन्ही दो भाषाओं के नाम लिखिए।
4. पूर्वी हिन्दी की किस अपभ्रंश से उत्पत्ति मानी जाती है ?
5. बिहारी हिन्दी के अन्तर्गत जो तीन बोलियां उल्लेखित है, उनके नाम लिखिए।
6. मानकीकरण से क्या तात्पर्य है ?
7. मारवाड़ी और मेवाड़ी बोली में क्या अन्तर है ?
8. पश्चिम हिन्दी उपभाषा की प्रमुख बोलियों के नाम लिखिए।
9. हरियाणवी बोली के हिन्हीं चार शब्दों का उल्लेख कीजिए।
10. अनुवाद का क्या महत्व है ?
11. हिन्दी की प्रयोजनमूलक भावात्मक शैली की विशेषताएं लिखिए।
12. काव्यानुवाद किसे कहते है ?
13. राजभाषा अधिनियम कब लागू हुआ ?
14. संविधान में प्रादेशिक भाषाओं का किस अनुबंध में उल्लेख किया गया है।
15. हिन्दी सलाहकार समिति का सम्बन्ध किससे है ?
16. निम्नालिखित प्रशासनिक शब्दों का अर्थ लिखिए।
17. कार्यालयी हिन्दी से क्या तात्पर्य है ?
18. 'रिपोर्ट' शब्द का हिन्दी रूपान्तरण क्या है ?
19. निम्नांकित शब्दों का अर्थ बताइए।

अ आवती ख मसौदा

20. भाषिक विशिष्टता से आप क्या समझते है ?
21. निम्नालिखित शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(क) परिनिष्ठित (ख) सामासिक

22. अल्पांग वाक्य किसे कहते है ?
23. कर्मवाच्य की परिभाषा लिखिए।
24. कर्तृवाच्य किसे कहते है ?
25. प्रयोग के आधार पर दो भाषा रूपों के नाम लिखिए।
26. प्रयोजन भाषा किसे कहते है?
27. जनसंचार के मौखिक माध्यम से आप क्या समझते ह ?
28. लिप्यंतरण किसे कहते है ?
29. तुकान्त का क्या अभिप्राय है ?
30. दस्तावेज और अनुस्मारक शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

खण्ड– ब

शब्द सीमा अधिकतम 150–200 शब्द

1. भाषा और भाषिक व्यवहार में अन्तर लिखिए।
2. पहाड़ी हिन्दी का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
3. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ लिखिए।
4. देवनागरी लिपि में किए गए सुधारो का उल्लेख कीजिए।
5. देवनागरी लिपि के मानकीकरण पर प्रकाश डालिए।
6. राजस्थानी हिन्दी की बोलियों का वर्णन कीजिए।
7. राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति और उसके क्षेत्र का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।
8. अच्छे पत्र–लेखन की विशेषताएँ लिखिए।
9. अनुवाद को परिभाषित करते हुए अनुवाद की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।
10. शब्दाश्रयी अनुवाद की विशेषताएँ लिखिए।
11. कथानुवाद का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।
12. हिन्दी साहित्य में अनुवाद की परम्परा का उल्लेख कीजिए।
13. अनुवाद के महत्व को लिखिए।
14. मध्यकाल मे हिन्दी भाषा व साहित्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
15. न्यायिक क्षेत्र में हिन्दी भाषा की भूमिका का उल्लेख कीजिए।
16. मसौदा लेखन की रचना विधि बताइए।
17. प्रशासकीय पत्र की परिभाषा एवं स्वरूप का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

18. संक्षेपण का महत्व बताइए।
19. फलदायी वृक्ष हमेशा झुका रहता है।'' इस कथन का पल्लवन कीजिए।
20. पल्लवन में ध्याने देने योग्य बातों का उल्लेख कीजिए।
21. प्रतिवेदन से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।
22. बैंकिंग प्रणाली में हिन्दी पर टिप्पणी लिखिए।
23. वाणिज्य–व्यापार की अभिवृद्धि में हिन्दी भाषा किस प्रकार सहायक हो सकती है समझाइए।
24. साहित्यिक हिन्दी और प्रयोजनमूलक हिन्दी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
25. ई.ए. नायडा द्वारा बताए गए अनुवाद के विविध प्रकारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
26. अनुवाद किसे कहते है ?
27. नियमित टिप्पणी की विशेषताएँ लिखिए।

निबन्धात्मक
खण्ड–स

शब्द सीमा अधिकतम 400–500 शब्द

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूपों का विवेचन कीजिए।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र का वर्णन कीजिए।
3. पत्र–लेखन की शैली और विविध प्रकारों का वर्णन कीजिए।
4. अनुवाद के विविध प्रकारों का विवेचन कीजिए।
5. कार्यालयी हिन्दी की भाषिक प्रकृति और प्रशासनिक शब्दावली का विवेचन कीजिए।
6. प्रतिवेदन के मुख्य प्रकारों का वर्णन कीजिए।
7. 'विज्ञापन में हिन्दी' विषय पर एक लेख लिखिए।
8. निम्नांकित बिन्दुओं पर टिप्पणी लिखिए।
   (क) रेल विभाग में हिन्दी
   (ख) रक्षा व सेना में हिन्दी
9. राजस्थानी हिन्दी की बोलियों का विवेचन कीजिए।
10. हिन्दी भाषा के विकास के विविध कालों (चरणों) का वर्णन कीजिए।
11. प्रयोजन मूलक हिन्दी की वर्तमान युग में प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।
12. 'हिन्दी भाषा के वैश्विक रूप ' विषय पर एक लेख लिखिए।